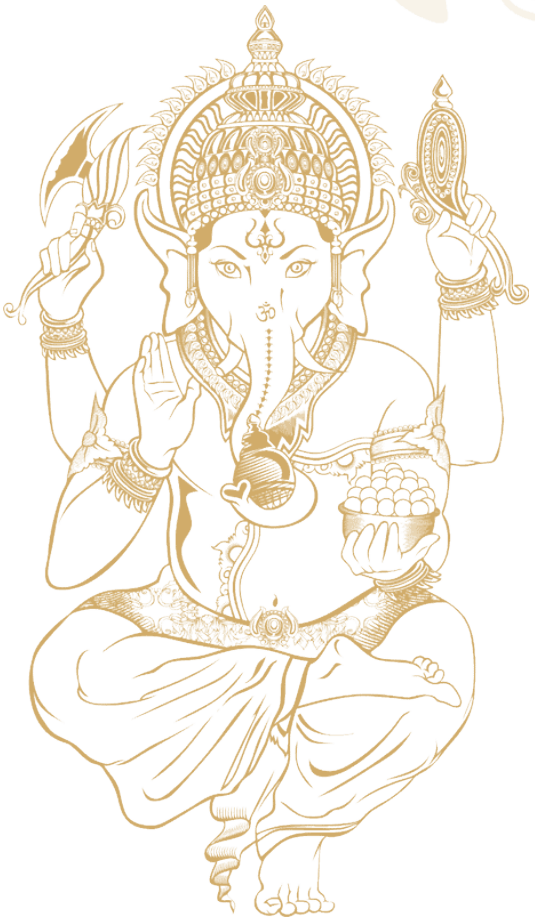

R

06 Aug 2000

06:25 AM

Khurja

Model: web-freekundliweb

Order No: 121900303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/08/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:25:00 घंटे**
इष्ट	01:43:41 घटी
स्थान	**Khurja**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:15:00 उत्तर
रेखांश	77:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:06:24 घंटे
वेलान्तर	-00:05:51 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:54 घंटे
सूर्योदय	05:43:31 घंटे
सूर्यास्त	19:04:52 घंटे
दिनमान	13:21:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:00:56 कर्क
लग्न के अंश	28:03:30 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:03:30	310:32:20	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कर्क	20:00:56	00:57:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	08:12:40	12:53:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	09:21:39	00:38:44	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			कर्क	04:02:50	01:42:28	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			वृष	12:52:31	00:09:08	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	05:17:13	01:13:47	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			वृष	05:53:40	00:03:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:36:40	00:01:07	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:36:40	00:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:11:29	00:02:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:04:18	00:01:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:21:01	00:00:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	25:04:02	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:41

लग्न-चलित

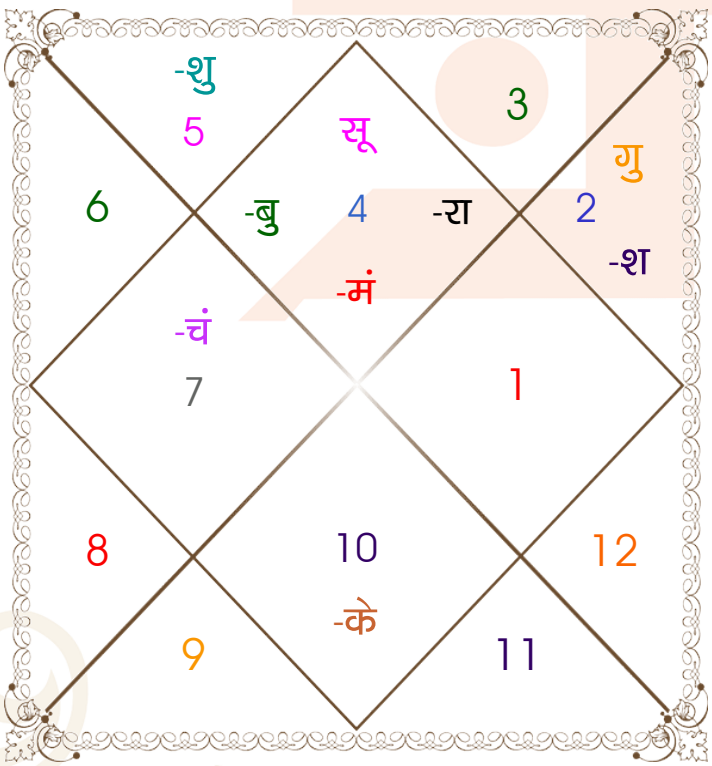

चन्द्र कुंडली

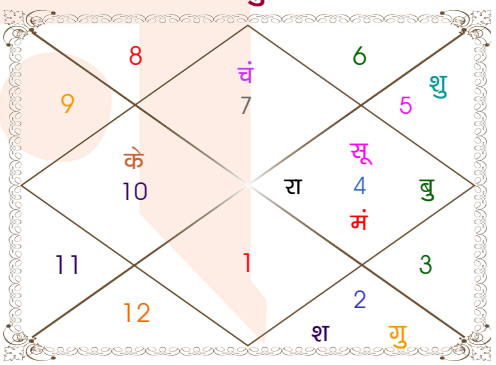

नवमांश कुंडली

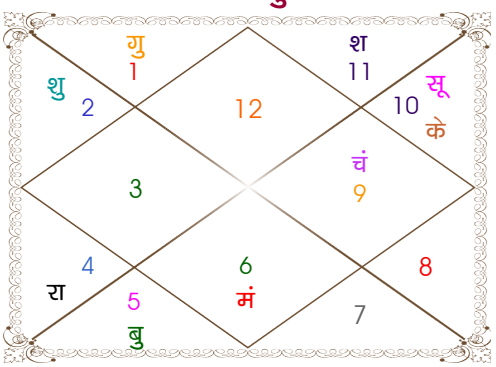

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 10 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/08/2000		06/07/2016		06/07/2032		07/07/2051		06/07/2068	
06/07/2016		06/07/2032		07/07/2051		06/07/2068		07/07/2075	
राहु	18/03/2001	गुरु	24/08/2018	शनि	10/07/2035	बुध	02/12/2053	केतु	02/12/2068
गुरु	12/08/2003	शनि	06/03/2021	बुध	19/03/2038	केतु	29/11/2054	शुक्र	01/02/2070
शनि	18/06/2006	बुध	12/06/2023	केतु	27/04/2039	शुक्र	29/09/2057	सूर्य	09/06/2070
बुध	04/01/2009	केतु	18/05/2024	शुक्र	27/06/2042	सूर्य	06/08/2058	चंद्र	08/01/2071
केतु	23/01/2010	शुक्र	17/01/2027	सूर्य	09/06/2043	चंद्र	05/01/2060	मंगल	06/06/2071
शुक्र	23/01/2013	सूर्य	05/11/2027	चंद्र	07/01/2045	मंगल	01/01/2061	राहु	24/06/2072
सूर्य	17/12/2013	चंद्र	06/03/2029	मंगल	16/02/2046	राहु	22/07/2063	गुरु	30/05/2073
चंद्र	18/06/2015	मंगल	10/02/2030	राहु	23/12/2048	गुरु	27/10/2065	शनि	09/07/2074
मंगल	06/07/2016	राहु	06/07/2032	गुरु	07/07/2051	शनि	06/07/2068	बुध	07/07/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/07/2075		07/07/2095		07/07/2101		08/07/2111		07/07/2118	
07/07/2095		07/07/2101		08/07/2111		07/07/2118		00/00/0000	
शुक्र	05/11/2078	सूर्य	24/10/2095	चंद्र	07/05/2102	मंगल	04/12/2111	राहु	07/08/2120
सूर्य	05/11/2079	चंद्र	24/04/2096	मंगल	06/12/2102	राहु	21/12/2112		00/00/0000
चंद्र	06/07/2081	मंगल	30/08/2096	राहु	06/06/2104	गुरु	27/11/2113		00/00/0000
मंगल	05/09/2082	राहु	24/07/2097	गुरु	06/10/2105	शनि	06/01/2115		00/00/0000
राहु	05/09/2085	गुरु	12/05/2098	शनि	08/05/2107	बुध	03/01/2116		00/00/0000
गुरु	06/05/2088	शनि	24/04/2099	बुध	06/10/2108	केतु	31/05/2116		00/00/0000
शनि	07/07/2091	बुध	01/03/2100	केतु	07/05/2109	शुक्र	31/07/2117		00/00/0000
बुध	06/05/2094	केतु	07/07/2100	शुक्र	06/01/2111	सूर्य	06/12/2117		00/00/0000
केतु	07/07/2095	शुक्र	07/07/2101	सूर्य	08/07/2111	चंद्र	07/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।